01 नवम्बर 2017 को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के 65वें स्थापना दिवस के अवसर पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष जी का भाषण।

1. आज कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के 65वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित होकर मुझे आनंद की अनुभूति हो रही है। माननीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री श्री संतोष कुमार गंगवार जी यहां उपस्थित हैं। मुझे विश्वास है कि उनके कुशल नेतृत्व में यह संगठन समस्त विश्व में सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने वाले संगठनों में अग्रणी बनेगा।

2. सामाजिक सुरक्षा के कई आयाम हैं। उनमें से सबसे महत्वपूर्ण है, श्रमदान देने वाले व्यक्ति एवं उनके परिवार की वित्तीय, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक सुरक्षा। साथ ही उन्हें मूलभूत सुविधाएं मिले, इस दिशा में यह संस्थान कारगर भूमिका निभा रहा है। जो सीमित आय वर्ग वाले व्यक्ति होते हैं, उनके लिए Provident Fund ही बचत का माध्यम होता है एवं भविष्य निधि के साथ ही उन्हें पेंशन एवं बीमा की सुविधा भी मिलती है।

3. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) वर्तमान में संगठित क्षेत्र के करीब चार करोड़ लोगों को पी.एफ. की सुविधाएं प्रदान कर रहा है। उल्लेखनीय है कि हमारे देश में आंगनबाड़ी वर्कर के रूप में लगभग 14 लाख, आंगनबाड़ी सहायक के रूप में 12 लाख, मिड डे मील वर्कर के रूप में 25 लाख एवं आशा कार्यकर्ता के रूप में 10 लाख लोग कार्यरत हैं। इन्हें भी सामाजिक सुरक्षा में दायरे में लाने का प्रयास हुआ है। यह प्रसन्नता का विषय है कि EPFO के Central Board of Trustees ने सामाजिक सुरक्षा का लाभ असंगठित क्षेत्र के लोगों को देने के विषय में भी पहल की है।

4. **हम सब मिलकर क्या कुछ ऐसा कर सकते है कि हमारे देश के लगभग 42 करोड़ असंगठित क्षेत्र के कामगार, जो हमारे वर्कफोर्स का 93 प्रतिशत हैं, उनके लिए सामाजिक सुरक्षा का दायरा और बढ़ाया जा सके।**

5. हमारा लोकतंत्र जन कल्याणकारी है। संविधान के Directive Principles भी एक Egalitarian समाज बनाने की कल्पना करते हैं, एक ऐसा समाज जिसमें कोई दुःखी न रहे, सभी को शासन की ओर से सामाजिक सुरक्षा प्रदान किया जा सके। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा और अन्त्योदय का विचार हमारी संस्कृति के मूल में है। हम सभी को स्वस्थ, सुखी, समृद्ध एवं आनन्दित देखना चाहते हैं।

6. महात्मा गांधी का सर्वोदय का एवं दीनदयाल जी का अन्त्योदय का विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक और सार्थक है। मुझे प्रसन्नता है कि ईपीएफओ द्वारा विभिन्न माध्यमों से इनके विचारों को यथासंभव पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

7. प्रधानमंत्री श्री नरेद्र मोदी जी ने 01 अक्टूबर, 2014 को पीएफ नं. पोर्टेबिलिटी को संभव बनाने के लिए ईपीएफओ के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों के लिए यूनीवर्सल अकाउंट नंबर का शुभारंभ किया जो हमारे देश में कर्मचारी भविष्य निधि के इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि है। इस पहचान की सबसे अच्छी बात यह है कि नौकरी बदलने से अब इसमें कोई बदलाव नहीं आता। विशेषकर, जो यूनीवर्सल अकाउंट नम्बर, जिसके द्वारा transfer of Account में परेशानी होती थी, वह सुलझ गई है।

8. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा नई टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए कर्मचारियों को भविष्य निधि से संबंधित सेवाएं दी जा रही हैं, वह प्रशंसनीय है। मुझे बताया गया है कि कई सेवाएं ऑनलाइन कर दी गईं हैं जो कि एक सराहनीय कदम है।

EPFO mobile application द्वारा सेवाएं प्रदान करने में अच्छी भूमिका निभा रहा है एवं डिजिटल इंडिया को सार्थक बनाने की दिशा में उत्तम प्रयास है।

9. मुझे feedback मिल रहा है कि आपके संगठन में ज्यादातर ऑनलाइन काम हो रहा है। PF निकालने आदि जैसी सेवाओं के लिए उन्हें EPFO के दफ्तरों में चक्कर नहीं काटना पड़ता है एवं जरूरतमंद को समय पर अपने PF का पैसा मिल जाता है। लोग अपने PF का Balance मोबाइल पर भी देख सकते हैं। इस संस्था ने समय से पहले अपने–आपको update किया है एवं तकनीक का उपयोग करते हुए वे अच्छा कार्य कर रहे हैं। वास्तव में यह उत्साहवर्धक एवं जनकल्याणकारी है।

10. आप लोगों को PF में बचत करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। हम भी जानते हैं कि बूंद–बूंद से घड़ा भरता है। अतः, लोगों में बचत करने की प्रवृत्ति के लिए प्रेरित करना सर्वथा उपयुक्त कार्य है। यह संस्था इस बात पर भी ध्यान दे रही है कि यदि कोई नियोक्ता अपने कर्मचारियों के PF खाते में अपना अंशदान नहीं जमा कराता है, तो संस्था उन पर तत्काल त्वरित कार्रवाई करती है। ईपीएफओ यह सुनिश्चित करता है कि नियोक्ता (Employer) कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा संबंधी हितों का ध्यान रखे। वास्तव में ईपीएफओ सामाजिक सुरक्षा की छतरी लेकर बैठे हैं। मैं चाहती हूं कि यह संगठन एक ऐसी योजना लेकर आए जिसमें सभी को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। सरकार की भी यही सोच है।

11. थोड़ा–थोड़ा बचा करके भविष्य को सुरक्षित करने का भाव हमेशा हमारी संस्कृति में रहा है। ग्रंथों में वर्णित है किः–

''चिन्तनीया हि विपदां आदावेव प्रतिक्रिया।

न कूप खननं युक्तं प्रदीप्ते वह्निना गृहे।।''

(The effect of disaster should be through before and it is not appropriate to start digging a well when the house is ablaze.)

12. इस पुनीत कार्य में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण रहा है। संगठन द्वारा किए गए प्रयासों से हमारे देश की सामाजिक सुरक्षा स्थिति पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। सामाजिक सुरक्षा योजना पर हमेशा से सरकार का विशेष ध्यान रहा है। हम गांव, गरीब, किसान, श्रमिक, खेतिहर मजदूर एवं औद्योगिक मजदूर सभी को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का सपना देखते हैं। वह दिन दूर नहीं, जब किसी भी व्यक्ति को अपने भविष्य के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। **हरेक व्यक्ति के लिए कोई–न–कोई स्कीम होगा जिससे वह अपनी एवं अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित कर सकेगा।**

13. According to International Labour Organization, "Social security systems contribute not only to human security, dignity, equity and social justice, but also provide a foundation for political inclusion, empowerment and the development of democracy." इस कार्य को हमारे देश में सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इस दिशा में सरकार निरंतर प्रयत्नशील है।

14. मैं कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के 65वें स्थापना दिवस के इस शुभ अवसर पर इस संस्था के सभी बोर्ड मेम्बर, अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ–साथ यहां उपस्थित

सभी नागरिकों/हितलाभियों (beneficiaries) को बधाई देती हूं एवं इस संगठन के स्वर्णिम भविष्य की कामना करती हूं।

धन्यवाद।

———————